केदार पाण्डेय समाज कल्याण संघ, पश्चिम चम्पारण

वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष – 2021–22

केदार पाण्डेय समाज कल्याण संघ संस्था अधिनियम (21) 1860 के अन्तर्गत बिहार सरकार के निबंधन विभाग द्वारा निबंधित एक गैर सरकारी संगठन है। यह सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु हमेशा समर्पित भाव से प्रयासरत रहती है। संस्था वित्तीय वर्ष 2021–22 में निम्नलिखित ज्वंलत कार्यक्रमों को सम्पादित करने का प्रयास किया हैः–

(1) **व्यसनियों का एकीकृत पुनर्वास केन्द्र :–** नशीले पदार्थ के व्यसन से देश, राज्य, जिला, समाज एवं परिवार को निजात दिलाने के लिए संस्था द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 15 शैया का व्यसनियों का एकीकृत पुनर्वास केन्द्र, बेतिया, पश्चिम चम्पारण (बिहार) में चलाया जा रहा है। संस्था के कार्यकर्त्ता गोष्ठी एवं सभा करके नशीले पदार्थ के व्यसन से होने वाले समस्याओं के बारे में लोगों को विस्तृत रुप से बताते हैं। संदेशात्मक पर्चा भी बाँटा जाता है। लोगों को इससे निजात पाने के विभिन्न उपायों से अवगत करवाते हैं। अभिभावकों को बताया जाता है कि वे अपने बच्चों के दिनचर्या पर ध्यान दें तथा यदि दिनचर्या में किसी प्रकार की तब्दीली दिखाई दे तो सतर्क हो जाऐं। उन्हें समझाने का प्रयास करें। साथ–ही–साथ हमारे संस्था के कार्यकर्ता से सहयोग लें। हम आपके हर समस्या के निजात के लिए हमेशा तत्पर हैं। इस वर्ष व्यसनियों का एकीकृत पुनर्वास केन्द्र में 165 नशीले पदार्थ के व्यसनियों का ईलाज किया गया है। साथ ही साथ समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया है जिससे इस समस्या से निजात पाया जा सके।

(2) **व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम :–** व्यावसायिकरण के दौड़ में हम सबों का कर्तव्य है कि समाज के युवा वर्ग को ज्यादा से ज्यादा व्यावसायिक प्रशिक्षण की ओर अग्रसर किया जाए। वे स्वंय अपना रोजगार शुरू करें जिससे वे स्वंय भी आर्थिक रूप से सुदृढ हों तथा देश को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में सहभागी बनें। वर्तमान सरकार व्यावसायिक प्रशिक्षण पर ज्यादा ध्यान दे रही है। संस्था द्वारा सभी वर्गो के लिए एक

व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र चलाया जा रहा है। इस वर्ष 20 युवा एवं युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस केन्द्र में स्क्रिन प्रिंटिग, अगरबती निर्माण एवं ब्युटिशियन का प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्था के कार्यकर्त्ता उन्हें आवश्यकतानुसार विभिन्न प्रकार के योजनाओं के बारे में बताते रहते हैं जिससे उनके आमदनी में बढोतरी हो सके। बेरोजगार के संख्या के अनुपात में सरकारी नौकरी नहीं है। अतः बेरोजगारी से निजात पाने के लिए हमें अन्य विकल्प पर ध्यान देना ही होगा।

(3) **वृद्धों के कल्याणार्थ कार्यक्रम :–** वृद्धों के समस्या को सर्वोपरी मानकर उन्हें सही तरीके से जीवन जीने के लिए अग्रसर एवं सहयोग करना होगा क्योंकि वे हमारे धरोहर हैं। समाज एकल परिवार में सिमट गया है। वह पत्नी एवं बच्चों को परिवार मानकर अपने बुजुर्गों को दरकिनार कर दिया है। यही कारण है कि वृद्ध समस्याग्रस्त जीवन जीने को मजबूर हैं। वे भूल जाते हैं कि वे भी एक दिन वृद्ध होंगे। समाज में वृद्धों की स्थिति बहुत दयनीय है। वृद्धों के समस्या को ध्यान में रखकर संस्था द्वारा डा अमरीष सिंह के सहयोग से बेलवा मोड़ (दिनांक–17.02.22) में स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। जिससे 32 वृद्धों ने लाभ उठाया। संस्था द्वारा आवश्यकतानुसार दवा भी मुहैया करवाया गया। साथ ही साथ पौष्टिक नास्ता भी उपलब्ध करवाया गया।

(4) **जागरुकता कार्यक्रम :–**इस वर्ष निम्नलिखित जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। सभी जागरुकता कार्यक्रम वर्तमान समय के ज्वंलत समस्याओं पर केन्द्रित था –

(क) **एड्स –** एड्स दिवस के अवसर पर दिनांक 01 दिसम्बर, 2021 को संस्था द्वारा संस्था के परिसर में एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 60 गणमान्य व्यक्तियों तथा समाजसेवियों ने भाग लिया तथा अपने–अपने विचारों को रखा। संस्था के कार्यकर्ता द्वारा विस्तृत रुप से इस रोग के बारे में बताया गया। यह ऐसी लाईलाज बीमारी है जिससे जागरूकता के द्वारा ही लड़ा जा सकता है। जिन कारकों से यह बीमारी फैलता है उन कारकों पर यदि ध्यान दिया जाय तो इस बीमारी से बचा जा सकता है। उपस्थित लोगों का

सम्मिलित विचार था कि संस्था द्वारा चलाए जा रहे एड्स जागरूकता अभियान में भरपुर सहयोग करेंगे। लोगों के बीच संदेशात्मक पर्चा भी वितरित किया गया। शिविर स्थल पर एड्स विषय पर पोस्टर प्रदर्शनी भी लगायी गयी।

(ख) **वातावरण प्रदूषण** – दिनांक 5 जुन, 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उच्च विद्यालय, पखनाहा में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 146 शिक्षक, छात्र, छात्रा, बुद्विजीवियों ने भाग लिया। उपस्थित शिक्षक, छात्र–छात्राओं, लोगों को पर्यावरण प्रदूषण के विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया। उन्हें प्रदूषण को कम करने के विभिन्न उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। उनसे अपील की गयी कि वे दस पेड़ जरूर लगावें। कल कारखानों से भी प्रदूषण बढ रहा है। उस पर मानकों के आधार पर रोक लगाने की जरुरत है। सरकारी रोक के साथ–साथ समाज के लोगों का भी कर्त्तव्य है कि वे भी इस समस्या पर गम्भीरता से विचार करें अन्यथा गर्मी के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघलेगा तथा समुद्री इलाका जलमग्न हो जाएगा। वातावरण प्रदूषण का प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र में दिखाई देता है। मौसम में परिवर्तन हो रहा है। गर्मी बढ रहा है। बेमौसम बरसात हो रहा है। इस अवसर पर चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें बच्चों ने पर्यावरण प्रदूषण की समस्या को दर्शाते हुए चित्रांकन किया। अच्छे चित्रांकन में से तीन बच्चों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया।

संस्था उपरोक्त कार्यक्रमों के संचालन के साथ–साथ अन्य ज्वलंत समस्याओं के प्रति गहरी रखती है। आवश्यकतानुसार अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से समस्या समाधान की ओर अग्रसर रहती है तथा भविष्य में भी रहेगी।